

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-VI

(Poetics and Literary Criticism)

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answer in their own words
as far as practicable.*

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांचिद् दशानां प्रश्नानामुत्तरं सरलसंस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च प्रदेयम्। प्रतिविभागमन्ततः
प्रश्नत्रयम् समाधेयम्। 2×10=20
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।
প্রতি বিভাগ থেকে অন্ততঃপক্ষে তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর করতে হবে।

'क'-विभागः

বিভাগ-‘ক’

- (a) काव्यालंकारसूत्रवृत्तिग्रन्थः केन विरचितः? तस्मिन् ग्रन्थे कति अधिकरणानि सन्ति?
काव्यालंकारसूत्रवृत्ति ग्रंथটি কার রচনা? এই গ্রন্থে কয়টি অধিকরণ আছে?
- (b) वामनमते कवयः कतिविधाः? के च ते?
আচার্য বামনের মতে কবি কত প্রকার ও কী কী?
- (c) वामनमते प्रतिभा का?
আচার্য বামনের মতে প্রতিভা কাকে বলে?
- (d) “न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्” इत्यस्य अर्थः कः?
“न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्”— সূত্রটির অর্থ কী?
- (e) काव्यालंकारसूत्रवृत्तिग्रन्थे गद्यकाव्यस्य विभागः कीदृशः प्रदर्शितः?
কাব্যালংকারসূত্রবৃত্তি গ্রন্থে গদ্যকাব্যের বিভাগ কীভাবে প্রদর্শিত হয়েছে?

'ख'-विभागः

বিভাগ-‘খ’

- (f) यतिः का?
যতি কাকে বলে?
- (g) संस्कृत छन्दसि गुरुस्वराः के?
সংস্কৃত ছন্দে গুরুস্বর কী কী?

- (h) समवृत्तं छन्दः किम्?
समवृत्त छन्द बलते की बोरुओ?
- (i) मन्दाक्रान्तायाः लक्षणं किम्?
मन्दाक्रान्ता छन्देर लक्षण की?

'ग'-विभागः

विभाग-‘ग’

- (j) “ननमयययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः” अत्र “भोगिलोकैः” इति पदस्य अर्थः कः?
“ननमयययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः”- एखाने “भोगिलोकैः” पदेर अर्थ की?
- (k) श्लेषालंकारस्य लक्षणं किम्?
श्लेष अलंकारेर लक्षण की?
- (l) “भवेत्सम्भावनोत्प्रेक्षा प्रकृतस्य परात्मना”- इत्यत्र सम्भावनाशब्दस्यार्थः कः?
“भवेत्सम्भावनोत्प्रेक्षा प्रकृतस्य परात्मना”- एखाने “सम्भावना” शब्देर अर्थ की?
- (m) अलंकारशब्दस्यार्थः कः?
अलंकार शब्देर अर्थ की?
- (n) अर्थान्तरन्यासालंकारः कतिविधः? कयोश्चित् द्वयोः नाम लिख्यताम्।
अर्थान्तरन्यास अलंकार कय प्रकार? ये कौनो दुटिर नाम लेखो।
- (o) अतिशयोक्तेः लक्षणं किम्?
अतिशयोक्ति अलंकारेर लक्षण की?
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांश्चिद् चतुर्णां प्रप्रानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रप्रद्वयस्योत्तरं सरलसंस्कृतभाषया करणीयम्।
5×4=20
- निम्नलिखित प्रश्नशुलिर मध्ये ये कौनो चारटि प्रश्नेर उतुतर दिते हवे। तार मध्ये ये कौनो दुटि प्रश्नेर उतुतर सरल संस्कृत भाषाय लिखते हवे।
- (a) व्याख्यायताम् - “न कतकं पङ्कप्रसादनाय”।
ब्याख्या करुओ - “न कतकं पङ्कप्रसादनाय”।
- (b) व्याख्यायताम् - “समस्तगुणोपेता वैदर्भी”।
ब्याख्या करुओ - “समस्तगुणोपेता वैदर्भी”।
- (c) यथेच्छमेकस्य लक्षणनिर्देशपूर्वकं सोदाहरणं संज्ञा प्रदेया
लक्षण निर्देश करुओ उदाहरणसह संज्ञा लेखो (ये कौनो एकटि)
मन्दाक्रान्ता, उपजाति
मन्दाक्रान्ता, उपजाति

(d) गणविभागपुरस्सरं छन्दोनिर्णयं कुरु
गणविभाग करे छन्द निर्णय करो
न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्
मृदुनि मृगशरीरे तूलाशाविवाग्निः।
क्व वत हरिणकानां जीवितञ्चातिलोलं
क्व च निशितनिपाताः वज्रसाराः शरास्ते॥

(e) उपमोत्प्रेक्षयोः भेदाभेदौ निरूपय।
उपमा ও উৎপ্রেক্ষা অলংকারের ভেদ ও অভেদ নিরূপণ করো।

(f) अलंकारो निर्णयिताम्
अलंकार निर्णय करो।
इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपक्षमं साधायितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलापत्रधारया शमीलतां छेतुमृषिर्व्यवस्यति॥

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं प्रदेयम्।

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

(a) “काव्यं ग्राह्यमलंकारात्”- इत्यस्य तात्पर्यं निरूप्यताम्।

“काव्यं ग्राह्यमलंकारात्”- सूत्रটির তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

(b) वामनमतानुसारं काव्याङ्गानि कानि? तेषां स्वरूपमालोच्यताम्।

আচার্য বামনের মতে কাব্যঙ্গ কী কী? কাব্যঙ্গগুলির স্বরূপ আলোচনা করো।

(c) वंशस्थविलवसन्ततिलकयोः लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।

বংশস্থবিল ও বসন্ততিলক ছন্দের লক্ষণ উদাহরণসহ আলোচনা করো।

(d) रूपकदृष्टान्तयोः अलंकारयोः लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।

রূপক ও দৃষ্টান্ত অলংকারের লক্ষণ উদাহরণসহ আলোচনা করো।